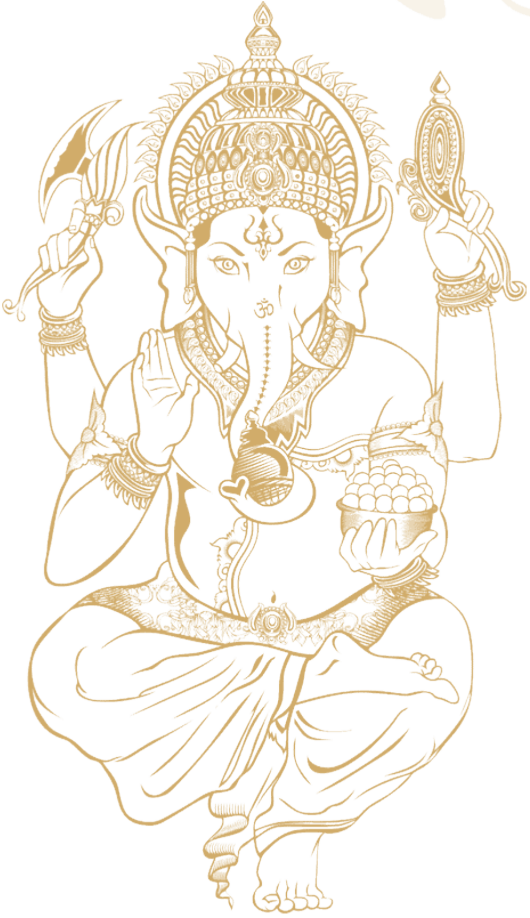

Mr.

19 Dec 1994

07:00 AM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 120885402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/12/1994**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	59:38:52 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:04 घंटे
वेलान्तर	00:03:33 घंटे
साम्पातिक काल	12:27:46 घंटे
सूर्योदय	07:08:27 घंटे
सूर्यास्त	17:28:26 घंटे
दिनमान	10:19:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:07:08 धनु
लग्न के अंश	00:11:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:11:42	323:10:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			धनु	03:07:08	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	13:49:14	12:08:56	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल			सिंह	07:33:04	00:10:19	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	05:53:05	01:35:04	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	08:16:14	00:12:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	19:18:35	00:44:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	13:14:07	00:03:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	20:19:31	00:07:43	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	20:19:31	00:07:43	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मक	00:57:35	00:03:14	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:18:33	00:02:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	05:17:12	00:02:11	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कन्या	13:46:28	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:24

लग्न-चलित

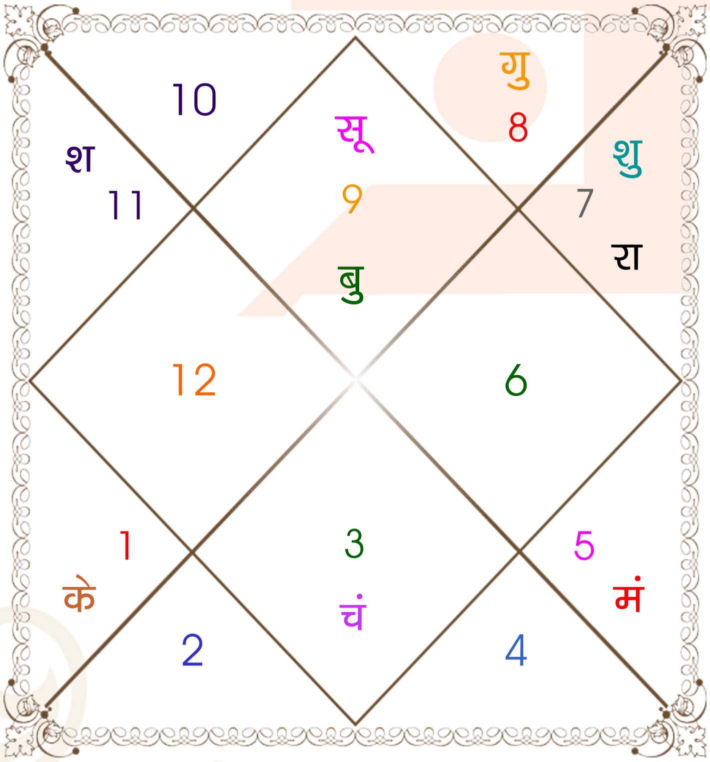

चन्द्र कुंडली

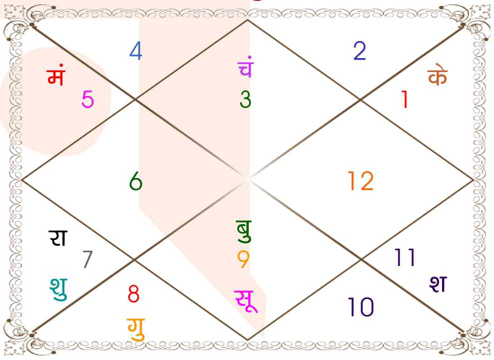

नवमांश कुंडली

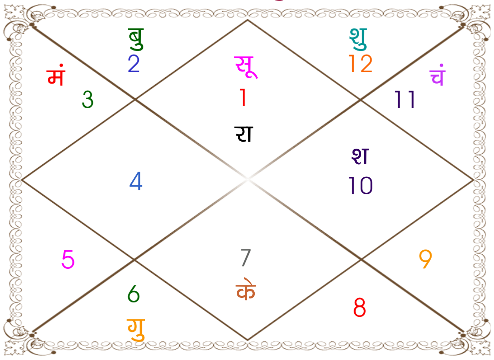

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 4 मास 3 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/12/1994		23/04/2003		23/04/2019		23/04/2038		23/04/2055	
23/04/2003		23/04/2019		23/04/2038		23/04/2055		23/04/2062	
	00/00/0000	गुरु	10/06/2005	शनि	26/04/2022	बुध	18/09/2040	केतु	19/09/2055
	00/00/0000	शनि	22/12/2007	बुध	03/01/2025	केतु	15/09/2041	शुक्र	18/11/2056
	19/12/1994	बुध	29/03/2010	केतु	11/02/2026	शुक्र	16/07/2044	सूर्य	26/03/2057
बुध	22/10/1995	केतु	05/03/2011	शुक्र	13/04/2029	सूर्य	23/05/2045	चंद्र	25/10/2057
केतु	09/11/1996	शुक्र	03/11/2013	सूर्य	26/03/2030	चंद्र	22/10/2046	मंगल	23/03/2058
शुक्र	10/11/1999	सूर्य	22/08/2014	चंद्र	25/10/2031	मंगल	19/10/2047	राहु	11/04/2059
सूर्य	03/10/2000	चंद्र	22/12/2015	मंगल	03/12/2032	राहु	08/05/2050	गुरु	16/03/2060
चंद्र	04/04/2002	मंगल	27/11/2016	राहु	10/10/2035	गुरु	13/08/2052	शनि	25/04/2061
मंगल	23/04/2003	राहु	23/04/2019	गुरु	23/04/2038	शनि	23/04/2055	बुध	23/04/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/04/2062		23/04/2082		22/04/2088		23/04/2098		23/04/2105	
23/04/2082		22/04/2088		23/04/2098		23/04/2105		00/00/0000	
शुक्र	22/08/2065	सूर्य	10/08/2082	चंद्र	20/02/2089	मंगल	19/09/2098	राहु	04/01/2108
सूर्य	22/08/2066	चंद्र	09/02/2083	मंगल	21/09/2089	राहु	07/10/2099	गुरु	30/05/2110
चंद्र	22/04/2068	मंगल	17/06/2083	राहु	23/03/2091	गुरु	13/09/2100	शनि	05/04/2113
मंगल	22/06/2069	राहु	10/05/2084	गुरु	22/07/2092	शनि	23/10/2101	बुध	20/12/2114
राहु	22/06/2072	गुरु	26/02/2085	शनि	21/02/2094	बुध	20/10/2102		00/00/0000
गुरु	21/02/2075	शनि	08/02/2086	बुध	23/07/2095	केतु	18/03/2103		00/00/0000
शनि	23/04/2078	बुध	16/12/2086	केतु	21/02/2096	शुक्र	17/05/2104		00/00/0000
बुध	20/02/2081	केतु	23/04/2087	शुक्र	22/10/2097	सूर्य	22/09/2104		00/00/0000
केतु	23/04/2082	शुक्र	22/04/2088	सूर्य	23/04/2098	चंद्र	23/04/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।